राष्ट्रीय संगोष्टी प्रतिवेदन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का एक दिवसीय आयोजन 26 मार्च 2023 को भारतीय राजनीति दशा एवं दिशा विषय पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर के निर्देशन, डॉ. अंजना ठाकुर विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें संयोजक डॉ राजकुमार बंजारे, सह संयोजक श्री हेमंत नंदागौरी, आयोजन सचिव श्री संजय सप्तर्षि एवं एम.ए. पूर्व व अंतिम के विद्यार्थियों महाविद्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में 44 ऑनलाइन पंजीयन 161 ऑफ ऑनलाइन पंजीयन हुआ। कुल पंजीयन में से 51 पंजीयन प्राध्यापकों द्वारा 41 शोध छात्रों द्वारा व 113 छात्र–छात्राएं थे। फुल 93 शोध संक्षेपिका प्राप्त हुए थे। संक्षेपिका का SOUVENIR विमोचन किया गया।

उद्घाटन सत्र :– प्रातः 10:30 बजे माननीय अतिथियों का मंच पर आगमन हुआ, 10:45 बजे ज्ञान की देवी सरस्वती माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना 11:00 बजे अतिथियों का बुके एवं बेंच लगा कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि माननीय डॉ बंशगोपाल सिंह, कुलपति पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा ऑनलाइन मोड पर उपस्थित रहे। अध्यक्षता डॉ के.एल. टांडेकर प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव, विशिष्ट अतिथि डॉ आर. के. पुरोहित पूर्व प्राचार्य शासकीय दंतेश्वरी महाविद्यालय दंतेवाड़ा (छ.ग.) डॉ. निसार उल हक, प्राध्यापक राजनीति विज्ञान विभाग जामिया मिलिया इस्लामिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, डॉ. राजेन्द्र कुमार मिश्र विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश, डॉ. मंदाकिनी माहोरे विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, जे. एन. महाविद्यालय वाड़ी नागपुर (महाराष्ट्र) श्री रतनलाल डांगी (आई.पी.एस) आई.जी. पुलिस प्रशिक्षण अकादमी चंद्रपुरी रायपुर (छ.ग.) एवं समापन सत्र के मुख्य अतिथि श्री दिलीप वासनिक (आई.ए.एस) विभागीय जॉच आयुक्त छत्तीसगढ़ एवं विभिन्न

राज्यों से आए प्राध्यापक, शोधार्थी व विद्यार्थी द्वारा अपने–अपने शोध पत्रों का वाचन किया गयां

राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजन के रूप रेखा एवं उद्देश्यों का विस्तार से प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य उद्‌घाटन एवं समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. के. एल. टाण्डेकर ने कहा कि स्वर्गीय महंत राजा दिग्विजय दास द्वारा उच्च शिक्षा के लिए एक दीप प्रज्वलित किया गया था जो एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। इस महाविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा राजनीतिक, प्रशासनिक सेवा एवं सामाजिक सेवा जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सुशोभित होकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। उद्‌घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर के माननीय कुलपति डॉ. बंशगोपाल सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान राजनीति सत्ता पर काबिज होने और जनता को प्रभावित करने की राजनीति है। राजनीति के इर्द–गिर्द सारी व्यवस्थाएं घूम रही है यह बड़ी विडंबना है। राजनीति को समाजवादी सोचा से मुक्त होना चाहिए।

प्रथम तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. निसार उल हक के प्राध्यापक, जामिया मिलिया इस्लामिया केंद्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने कहा कि गांधी जी ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा। भारत का इंस्टीट्यूशन दुनिया का सर्वश्रेष्ठ इंस्टिट्यूशन है। भारत का डेमोक्रेसी मजबूत है। डेमोक्रेसी का मतलब केवल वोट डालने तक सीमित नहीं है। वास्तविक प्रतिनिधि वह होता है जो जनता का प्रतिनिधित्व करें ना कि किसी पार्टी का। डॉ. राजेंद्र कुमार मिश्र ने विषय विशेषज्ञ के रूप में भारतीय राजनीति की दशा एवं दिशा पर सारगर्भित और व्यावहारिक व्याख्यान देते हुए कहा कि वर्तमान राजनीति मंत्रिमंडलीय शासन प्रणाली पर आधारित है। जो कि लोकतंत्र के लिए घातक है। लोकतंत्र भीड़ तंत्र को बदल रहा है। विकास की अवधारणा केवल अधोसंरचना के विकास तक सीमित न होकर जनता के समग्र विकास पर पर्याप्त होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित निदेशक राज्य पुलिस अधीक्षक अकादमी चंदखुरी रायपुर के आई.पी.एस. अधिकारी श्री रतनलाल डांगी ने अपने शोध पत्र का वाचन करते हुए कहा कि भारतीय राजनीति सबको पढ़ना करना चाहिए। देश कैसे चलता है इसका पता

होना चाहिए। भारतीय राजनीति एवं नक्सल समस्या पर प्रकाश डाला और बुद्ध एवं अंबेडकर के विचारों का अनुसरण करना चाहिए। दंतेश्वरी महाविद्यालय दंतेवाड़ा के पूर्व प्राचार्य डॉ. आर. के. पुरोहित ने द्वितीय तकनीकी सत्र के अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि व्यवहारवाद हमारे शासन की दशा एवं दिशा के निर्धारित करता हैं। महत्वपूर्ण रोचक प्रसंगों के माध्यम से उन्होंने भारतीय राजनीति को स्पष्ट किया।

तृतीय तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय वाडी नागपुर (महाराष्ट्र) से आमंत्रित राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मंदाकिनी महोरे ने भारतीय राजनीति के स्याह पक्ष को उजागर किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि विभागीय जाँच आयुक्त आई.ए.एस. श्री दिलीप वासनिक ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि देश की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान राजनीति की विसंगतियों पर यथार्थपरक व्याख्यान दिये।

दिग्विजय कालेज के राजनीती विज्ञान विभाग द्वारा भारतीय राजनीति दशा एवं दिशा विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठि आयोजित

हरदीप छाबड़ा,

राजनांदगांव(दैनिक गंगा प्रकाश)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारतीय राजनीति दशा एवं दिशा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वाग्देवी मां भारती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के श्री चरणों में दीप प्रज्वलन कर किया गया। उसके पश्चात छत्तीसगढ़ राजगीत की प्रस्तुति की गई। समस्त अतिथियों एवं विषय विशेषज्ञों का पुष्प माला और बैच लगाकर स्वागत किया गया। शोध स्मारिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर ने अपने स्वागत उद्बोधन में समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी आयोजन के रूपरेखा एवं उद्देश्यों का विस्तार से प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष डॉ. के. एल. टांडेकर ने कहा कि स्वर्गीय महंत राजा दिग्विजय दास द्वारा उच्च शिक्षा के लिए एक दीप प्रज्वलित किया गया था जो आज विशाल वट वृक्ष बन चुका है। इस महाविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा, राजनीति, प्रशासनिक सेवा एवं सामाजिक सेवा जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सुशोभित होकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति डॉ. वंश गोपाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान राजनीति सत्ता पर काबिज होने और जनता को प्रभावित करने की राजनीति है। राजनीति के इर्द-गिर्द सारी व्यवस्थाएं घूम रही है यह बड़ी विडंबना है। राजनीति को सामंतवादी सोच से मुक्त होना चाहिए।

प्रथम तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. निसार उल हक, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय दिल्ली ने कहा कि गांधी जी ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा। भारत का इंस्टिट्यूशन दुनिया का सर्वश्रेष्ठ इंस्टिट्यूशन है। भारत की डेमोक्रेसी मजबूत है। डेमोक्रेसी का मतलब केवल वोट डालने तक सीमित नहीं है। वास्तविक प्रतिनिधि वह होता है जो जनता का प्रतिनिधित्व करें, ना कि किसी पार्टी का। वर्तमान राजनीति प्राइवेटाइजेशन और ग्लोबलाइजेशन पर केंद्रित है। पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप में संसाधनों के उचित उपयोग की जिम्मेदारी स्वयं सरकार की है।

शासकीय स्वशासी महाविद्यालय छिंदवाड़ा के राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार मिश्र ने विषय विशेषज्ञ के रूप में भारतीय राजनीति की दशा और दिशा पर सारगर्भित और व्यावहारिक व्याख्यान देते हुए कहा कि वर्तमान राजनीति मंत्रिमंडलीय शासन प्रणाली पर आधारित है, जो कि लोकतंत्र के लिए घातक है। लोकतंत्र भीड़ तंत्र में कन्वर्ट हो रहा है। सत्ता के लालच में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का दलबदल करना जनता की भावनाओं के साथ बेशर्मी के साथ किया गया छल है। विकास की अवधारणा केवल अधोसंरचना के विकास तक सीमित न होकर जनता के समग्र विकास का पर्याय होना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित निदेशक राज्य पुलिस अकादमी रायपुर, छत्तीसगढ़ के आईपीएस अधिकारी श्री रतनलाल डांगी ने अपने शोधपत्र का वाचन करते हुए कहा कि भारतीय राजनीति सबको पढ़ना चाहिए। देश कैसे चलता है इसका पता होना चाहिए। भारतीय राजनीति एवं नक्सल समस्या पर प्रकाश डाला। बुद्ध और अंबेडकर के विचारों का अनुसरण करना चाहिए। चौधरी महाविद्यालय दंतेवाड़ा के पूर्व प्राचार्य डॉ. आर. के. पुरोहित ने द्वितीय तकनीकी सत्र के अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि व्यवहारवाद हमारे शासन की दशा एवं दिशा को निर्धारित करता है। कई रोचक प्रसंगों के माध्यम से उन्होंने भारतीय राजनीति को स्पष्ट किया।

तृतीय तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नागपुर से आमंत्रित राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मंदाकिनी माहोरे ने भारतीय राजनीति के स्याहपक्ष को उजागर किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि विभागीय जांच आयुक्त आईएएस अधिकारी दिलीप वासनीकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश में अखिल भारतीय न्यायायिक सेवा बनें। संविधान के अनुरूप देश की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान राजनीति की विसंगतियों पर यथार्थपरक व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। वाणिज्य विभाग की डॉ. प्रज्ञा मिश्रा, दिव्या पवार और तरुणा वर्मा की किताब का विमोचन किया गया।

समस्त अतिथियों का महाविद्यालय परिवार की ओर से स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। संगोष्ठी का संचालन एवं आभार व्यक्त डॉ. राजकुमार बंजारे और संजय सप्तर्षि ने किया।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Rajnandgaon - 30 Mar 2023 - 30rajn3
epaper.navabharat.news

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारतीय राजनीति : दशा एवं दिशा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया. उसके पश्चात छत्तीसगढ़ राजगीत की प्रस्तुति की गई. राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी आयोजन के रूपरेखा एवं उद्‌देश्यों का विस्तार से प्रकाश डाला. प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने कहा कि स्वर्गीय महंत राजा दिग्विजय दास द्वारा उच्च शिक्षा के लिए एक दीप प्रज्ज्वलित किया गया था जो आज विशाल वट वृक्ष बन चुका है. उद्‌घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति डॉ. वंश गोपाल सिंह जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान राजनीति सत्ता पर काबिज होने और जनता को प्रभावित करने की राजनीति है.